श्री कल्याण सिंह

माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति, राजस्थान का उद्‌बोधन

राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय का तृतीय दीक्षान्त समारोह

26 अप्रेल, 2016 दोपहर 12.00 बजे

बिडला सभागार, जयपुर

राज्य के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री माननीय श्री राजेन्द्र सिंह राठौड़, पद्मश्री डॉ. अशोक पानगडिया, विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राजा बाबू पंवार, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव श्री मुकेश शर्मा, श्री अजय शंकर पाण्डे, रजिस्ट्रार श्रीमती नलिनी

कठोतिया, प्रबंध मण्डल के सदस्यगण, विद्या परिषद् के सदस्यगण, विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता, प्राध्यापकगण, आज के इस दीक्षान्त समारोह में उपाधि एवं पदक प्राप्त करने वाले दीक्षार्थियों एवं उनके अभिभावकगण, चिकित्सक बंधुओं, मीडिया के

प्रतिनिधिगण, भाइयो, बहिनो और प्रिय चिकित्सक विद्यार्थियों,

राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर के इस तीसरे दीक्षान्त समारोह के अवसर पर, मैं आप सभी को बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ।

चिकित्सा एक सम्मानीय

उपक्रम है। समाज चिकित्सक की बहुत इज्जत करता है। इसलिए आप लोगों को आम जन की सेवा पवित्र भावना से करनी होगी।

मेडिकल साइन्स में निरन्तर विकास हो रहा है। प्रत्येक चिकित्सक विशेषज्ञ बनना चाहता है।

यह अच्छी बात है। आप सभी प्रगति करें, मैं भी यही चाहता हूँ।

लेकिन आप लोग चिकित्सक बनने पर जो शपथ लेते है, उसको सदैव याद रखें। भूले नहीं। आप लोग भले ही कितने ही बडे विशेषज्ञ चिकित्सक बन जाएं,

लेकिन सामान्य चिकित्सक के दायित्वों को पूरी निष्ठा से जरूर निभायें।

युवा चिकित्सकों,

भारत की आत्मा गांवों में बसती है। आप और हम गांवों से ही निकलकर यहां आये हैं। डॉक्टर बनकर गांवों में जाने से

कतराना नही चाहिएं। हमें गांव, गरीब, ग्रामीण, दलित की सेवा करनी है। कमजोर की मदद करनी है।

मेडिकल साइन्स की अनेक विधाओं में अनादिकाल से भारत की दक्षता विश्व गुरू के रूप में मानी जाती है। देश की

इस महान परम्परा के अनुरूप आप सभी चिकित्सकों का मानव सेवा ही प्रमुख दायित्व होना चाहिए । आप सभी चिकित्सा की नवीनतम उपचार विधाओं का लाभ जन–जन तक पहुंचाएं।

चिकित्सा विज्ञान केवल मात्र विज्ञान ही नही है

बल्कि यह मानव जीवन के पहलुओं से जुडा हुआ मानव दर्शन शास्त्र भी है। अतः चिकित्सकों को मरीज और उनके परिजनों की सामाजिक, आर्थिक और मानसिक स्थितियों को समझ कर उपचार करना होगा। इससे चिकित्सक और मरीज के मध्य सद्भाव का

वातावरण बनेगा और मरीज की बीमारी का उपचार आसान हो सकेगा।

यह सब आप अनुभव से सीख सकेगें। इसीलिए चिकित्सकों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ–साथ चिकित्सा व सामाजिक दायित्वों का अनुभव

अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। नई पीढ़ी के चिकित्सकों को अपने वरिष्ठ चिकित्सकों के गहन अनुभवों का लाभ उठाना चाहिए।

स्वस्थ समाज के निर्माण में चिकित्सकों का योगदान अत्यन्त महत्वपूर्ण होता है। समाज

चिकित्सकों का सम्मान करता है, अतः आप सभी चिकित्सकों को भी मानव सेवा को अपने व्यक्तित्व का अभिन्न अंग बनाना होगा। जन सेवा के पावन कार्य में आप सभी सफल हों, ऐसी मेरी आप सभी से अपेक्षा है।

मुझे बताया गया है कि

स्वास्थ्य में यज्ञ–हवन की उपादेयता पर एक शोध कार्य इस विश्वविद्यालय द्वारा किया गया है। यह सराहनीय प्रयास है। हवन पर किये जा रहे शोध से आधुनिक स्वास्थ्य प्रणाली को एक नई दिशा मिलेगी। यह शोध कार्य विश्व में प्रथम बार किया

गया है। अतः इसे पेटेन्ट कराया जाना चाहिए।

युवा चिकित्सकों से मेरा आग्रह है कि अपने कौशल का सर्वाधिक इस्तेमाल ग्रामीण व गरीबों की सेवा की तरफ रूझान रख कर करें ताकि सही रूप में मानवता की सेवा हो सके। ऐसा करके देश

के उत्थान में हम अपनी भागीदारी सही रूप में निभा सकेंगे।

आप सभी को बधाइयां एवं सफल भविष्य के लिए मंगल कामनाएं।

धन्यवाद,

जय हिन्द ।